दैनिक भास्कर
06 रविवार, 17 जनवरी 2021 नोएडा

एक छतरी में अनेक संस्कृतियां

गीतांजलि सक्सेना

सभ्यता / रहन-सहन

छतरी एक और उसमें अनेक संस्कृतियों का अद्भुत मिलन ... इसका अनुभव और अलौकिक दृश्य का यदि दीदार करना चाहें, तो वह सिर्फ एक स्थान पर सम्भव है। यह वह सांस्कृतिक जगह है, जिसका मकसद सिर्फ विश्व के लोगों को एक दूसरे से जोड़ना है। यही नहीं, दुनिया भर के अनेक देशों के लिए तो यह एक मंच है, जहां उन्हें अपनी सभ्यता और रहन-सहन की झांकी प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

मेजबान दुबई एक बार फिर उसी उत्साह से देश विदेश से आने वाले मेहमानों का स्वागत करने के लिए पूर्णतः तैयार है। कोविड़ के काल में सुरक्षा, सफाई और अनुशासन को बनाये रखने का ध्यान पहले से कहीं अधिक दुरुस्त है।

ग्लोबल विपेज दुबई स्थित वह प्रदर्शनी का गांव है, जिसकी कल्पना शायद ही कोई कर सके। यहां दरअसल, एक ही छत के नीचे भारत सहित करीबन 80 से अधिक देशों की संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। आज इसका स्थान दुनिया की सबसे बड़ी पर्यटन परियोजनाओं में शामिल है।

ग्लोबल विलेज ने अपने नाम को और सार्थक करते हुए, इसको साल दर साल और भी विकसित और विशाल करने की कोई कोशिश नहीं छोड़ी। यही कारण है कि आज भी दुनिया में इस मेले के आयोजन का प्रतिनिधित्व उसके पास ही बरकरार है। इसकी लोकप्रियता को बनाए रखने के लिए भी आयोजकों ने कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।

ग्लोबल विलेज के विचार का जन्म, या यूं कहें कि इस मेले के आयोजन की शुरुआत 1996 में दुबई क्रीक के किनारे से सटी छोटी जगह में हुआ था। उस समय भी आयोजकों का उद्देश्य सिर्फ देश-विदेशों की विभिन्नता की झलकी प्रस्तुत करना था। अपने पहले वर्ष में ही उसने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। तब से आज तक करोड़ों आगंतुकों को आकर्षित करने में दुबई हमेशा सक्षम रहा है।

आज अपने इस लंबे सफर के मुकाम पर, दुबई में बड़े गर्व के साथ इस वर्ष ग्लोबल विलेज अपनी 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। हर बार की तरह इस बार भी नई थीम के साथ बड़े जोशीले अन्दाज में दर्शकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है।

रजत जयंती (सीजन 25) ग्लोबल विलेज का शुभारंभ हो चुका है, जो अप्रैल 2021 तक चलना है। इसके विस्तृत और विशाल आकार को देखकर ही इसके विकास को आसानी से आंका जा सकता है। इस बार राष्ट्रीय मंडलों के कई नये देशों ने भी अपनी जगह बनाई है, जिनमें रूस, कंबोडिया और वियतनाम प्रमुख हैं। दक्षिण एशिया में पहली बार श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल भी शामिल हुए हैं। इसके अतिरिक्त 26 पैविलियन में दर्जनों अन्य देशों के मंडप भी शामिल हुए हैं। यह एक भव्य, दर्शनीय और अद्भुत जगह है, जहाँ विभिन्न देशों की संस्कृतियों को संजोया गया है।

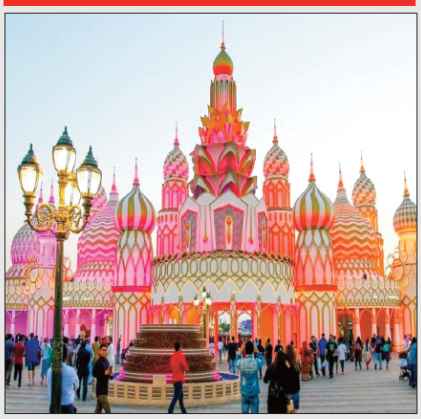

यूं तो अनेक देशों के मंडप इस गाँव में सुशोभित हैं, किन्तु भारतीय मंडप की छवि, छटा और आकार-प्रकार अति सुंदर है। हर साल आयोजकों की कुछ नई सी थीम के तहत यहां स्वरूप बदलता रहता है। विदेशी जमीन पर अपने देश की पहचान ताजमहल, चारमीनार और हवामहल की अद्भुत कलाकृतियों का नजारा हर प्रवासी भारतीय को गर्व महसूस कराता है। कई बार यहां भारतीय मंडप को पुरस्कार और सराहना मिली है। यही नहीं, भारतीय हस्तशिल्प और अन्य सामान की बिक्री में लोगों की रुचि देख कर बेहद खुशी महसूस होती है। इस स्थान में खरीदारी करने, मजा लूटने और मनोरंजन से भरा एक सम्पूर्ण पैकेज है।

> यह वह सांस्कृतिक जगह है, जिसका मकसद सिर्फ विश्व के लोगों को एक दूसरे से जोड़ना है।

इस वर्ष के इस सीजन में यहाँ पहले से भी, अधिक बेशुमार मनोरंजन के विकल्प और गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इस सीजन, एक गैलरी में प्राकृतिक, वैज्ञानिक, कलात्मक और मानवीय विषमताओं से बनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। यहीं नहीं, यहां हर एक के लिए कुछ न कुछ नया प्रयोग देखने को मिलता है। जादुई स्टूडियो में कई रहस्यमय कहानियों का प्रदर्शन बेहद रोचक है। इसके अतिरिक्त बच्चों की रुचि को ध्यान में रखते हुए नई रोमांचकारी सवारी के अलावा अनेकों कौशल के प्रदर्शन करने का अवसर भी मुहिम कराया गया है। कई नई स्टंट शो के माध्यम से, जासूसी कहानियों पर आधारित स्टिंग ऑपरेशन को भी दिखाया गया है, जिन्हें देखने का अवसर हमें सिर्फ फिल्मों में ही मिलता है।

हर वर्ग के बच्चों के मनोरंजन के अलावा, उनके लिए एक डिजिटल थियेटर बनाया गया है, जिसके अंतर्गत वह अपने डांस या अन्य टैलेंट का प्रदर्शन कर सकते हैं। कार्यशाला मेकयूअररोबोट युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरंजन से भरे पिटारे में सभी के लिए कुछ न कुछ है। दुनिया भर से आये कलाकार हर रोज आधुनिक डिजिटल तकनीक से लैस स्टेज शोज और इवेंट् का आयोजन करते रहते हैं। इस आयोजन को ग्लोबल विलेज के स्टेज से यूट्यूब पर लाइव दिखाया जाना है। इसमें 80से अधिक देशों के हजारों गायक और संगीतकार पूरी दुनिया के लिए प्रदर्शन करेंगे।

बॉलीवुड का संगीत और नृत्य कला के चाहने वाले दुनिया भर में हैं। विदेशियों को हम अक्सर इनकी धुनों पर मस्ती में ठुमके लगाते देख सकते हैं। खुशनुमा माहौल और सुहावने मौसम में धूम मचाते भारत के ढोल वादक अपना डंका बजाने में सबसे बाजी मार लेते हैं। सबसे आगे.. सब दर्शकों के दिल में जगह बना कर आसानी से उनको अपनी ओर खींच लेते हैं।

इसी तरह अन्य देशों के कलाकार भी अपने अपने देशों के इतिहास की कथाओं को उन देशों के प्रसिद्ध नृत्यों के साथ पेश करते हैं। यह देखना इसी गाँव में ही सम्भव है। चाहे वह मोरोको, लेबनान या मिस्री नृत्य हो। यह अनुभव न केवल रोचक है, बल्कि दिलचस्प भी है।

किसी ने सच कहा है कि दिल में अगर जगह बनानी हो, तो उसके लिए पेट से होकर जाना होता है। यही नहीं कोई भी सफर या दर्शन तब तक सुखद नहीं होता, जब तक अपना मनपसंद खाना ही न मिले। ग्लोबल विलेज में दुनिया भर के व्यंजन का लुत्फ हर कोई बड़ी आसानी उठा सकता है।

सुदूर पूर्व से लेकर मध्य पूर्व तक, तथा एशिया, यूरोप, अमेरिका व अफ्रीकन देशों के व्यंजनों का आनन्द इसी एक जगह संभव है। दुनिया भर में चर्चित स्टीटफूड के स्टालों पर लोगों की दिलचस्पी देखते ही बनती है। ऐसा होना स्वाभाविक ही है।

दुनिया भर के कारीगरों की कला प्रदर्शनी, उनकी संस्कृति, उनके खान-पान, और रहन-सहन को जानने की जिज्ञासा रखने वाले के लिए यह स्थान उपयुक्त है।

अवसर मिले तो जाने न दें, जरूर देखें देशों की बेहतरीन झांकी,

रंगों में सराबोर, मनोरंजन से भरा, है व्यंजनों का लुत्फ वाह,

पर्यटन, खरीदारी ही नहीं, अनेक संस्कृतियों का है, अनूठा केन्द्र।

(वरिष्ठ लेखिका)